

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J-0207

PAPER – III

Time : 2½ hours]

POLITICAL SCIENCE

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
- There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
- केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

POLITICAL SCIENCE

राजनीति विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage and answer the questions given at the end of it :

We are also at a point when the Gandhian utopia is difficult to revive and translate into reality. The Gandhian vision and programme requires a very large array of local workers tied together in a common mass movement for national mobilisation and transformation in the direction of Gandhi's concept of *swaraj*. This was undermined after independence when the Gandhian components of the movement namely, the constructive work programme, got co-opted and corrupted through state patronage of voluntary organisations while many of the 'Gandhians' got exposed through their blend of moralist rhetoric and amoral behaviour (as well as an almost complete absence of moral courage). There are also new difficulties in reviving the Gandhian wisdom. Forty years of 'modernisation' have led to drainage of both resources and talent from the rural areas, which has, in large parts of the country; *debilitated* the villages and their community bases and has rendered them into mere units of agricultural production.

In the meanwhile, the various programmes of constructive work in the rural areas have suffered not just as a result of massive dependence on state patronage but also due to their inability to mobilise fresh talent and creativity, and the even bigger incapacity to think of voluntary activities as catalysts for militant struggle against discrimination and injustice. While more than 70 percent of India is still rural, its capacity to generate a village based mode of

economic and social regeneration has declined considerably. The irony is that whereas the failure of the Nehruvian model has given rise to a major revival of interest in Gandhiji's ideas and perspective decentralisation, relevant technology, people's participation in the process of power, the basic criterion of benefitting 'the last man' as the test that any action of policy must pass. There exists little by way of organising a political movement on Gandhian lines at a time when the spread of western ideas through a colonial education system, the power of the mass media and the seductive draw of a consumerist culture are producing a homogeneous mass mind (the world over but also including India) that is not conducive to such a movement.

निम्न लेखांश को पढ़िये तथा दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

हम एक ऐसे बिंदु पर हैं जहाँ से गाँधी के 'कल्पनालोक' (यूटोपिया) को पुनर्जीवित करना तथा वास्तविकता में परिणित करना कठिन है। गाँधी की दृष्टि और कार्यक्रम स्थानीय कार्यकर्ताओं की एक बड़ी व्यूहरचना की अपेक्षा करता है जिसमें वे गाँधी जी के *स्वराज* की अवधारणा के अनुसार राष्ट्र के साधन-संयोजन (mobilisation) तथा रूपांतरण (transformation) के लिए एक समान जन आंदोलन में बँधे हों। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इसकी उपेक्षा की गई जबकि इस आंदोलन के गाँधीवादी घटक जैसे रचनात्मक कार्य-योजना कार्यक्रम-स्वैच्छिक संस्थाओं को राज्य का संरक्षण मिलने से मनोनीत होने लगे तथा भ्रष्ट हो गए जबकि कई तथाकथित गाँधीवादी अपने नीतिवादी भाषणों और अनैतिक व्यवहार तथा लगभग संपूर्णरूप से नैतिक साहस के अभाव से जनता के सामने उद्भासित (exposed) हो गए। गाँधीवादी बुद्धिमत्ता को पुनर्जीवित करने में कुछ नयी समस्याएँ भी हैं। चालीस साल से ग्रामीण-क्षेत्रों से संसाधनों तथा प्रतिभाओं का पलायन हो रहा है जिससे देश के बड़े भाग में गाँवों का और उनके समुदायों का तीव्र *मनोह्रास* (debilitated) हो रहा है, और उन्हें मात्र कृषि उत्पादन की इकाई के रूप परिवर्तित कर दिया है, इस बीच ग्रामीण क्षेत्रों में, निर्माण कार्य के लिए न केवल राज्य पर संपूर्ण निर्भरता के कारण वरन नई प्रतिभाओं के न जुटापाने के कारण तथा इससे भी बड़ी अक्षमता, कि स्वैच्छिक गतिविधियों को भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध उत्प्रेरक (catalyst) समझने के कारण, कई प्रकार के कार्यक्रमों की भारी

क्षति हुई है। जबकि भारत का 70 प्रतिशत भाग अभी भी ग्रामीण है, उसकी गाँव पर आधारित आर्थिक रीति (mode) तथा सामाजिक पुनर्जीवन की क्षमता का पर्याप्त रूप से ह्रास हुआ है।

यह विडंबना भी है कि नेहरू के माडल के असफल हो जाने से गाँधी के विचारों के प्रति लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है और परिदृश्य के विकेंद्रीकरण संगत प्रौद्योगिकी (relevant technology) शक्तिग्रहण की प्रक्रिया में जनता की सहभागिता और प्रगति का आधारभूत मापदण्ड कि आखिरी आदमी (सबसे गरीब) को इससे फायदा हुआ या नहीं, इसमें उत्तीर्ण होना आवश्यक है। गाँधीवादी पद्धति से आंदोलन चलाने के लिए कुछ नहीं बचता, ऐसे अवसर पर जब कि उपनिवेशवाद पर आधारित पश्चिमी शिक्षा प्रणाली द्वारा पश्चिमी विचारों का प्रसार हो रहा है, मीडिया अधिक शक्तिशाली हो रहा है और उपभोक्तावाद की संस्कृति अपनी ओर आकर्षित कर रही है और ये सब एक समजातीय समूह मानसिकता की सृष्टि कर रहे हैं (यह सारे विश्व में हो रहा है जिसमें भारत भी शामिल है)। और यह इस प्रकार के आंदोलन के लिए अनुकूल नहीं हैं।

Answer the following questions :

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. What is the meaning of *Swaraj* in Gandhian vision ?

गाँधीवादी दृष्टि से *स्वराज* का अर्थ क्या है?

2. What is the main difficulty in translating Gandhi's ideas into reality ?
गाँधी के विचारों को वास्तविकता में परिवर्तित करने में मुख्य कठिनाई क्या है?

3. What have been the bad effects of modernisation on attempts at revival of Gandhism ?
गाँधीवाद को पुनर्जीवित करने के प्रयास में आधुनिकीकरण के कौन से बुरे प्रभाव हैं?

4. In what sense has the author used the word 'irony' ?
लेखक ने 'विडम्बना' (irony) को किस अर्थ में प्रयोग किया है?

5. What is implied in the expression 'the last man' ?
'आखिरी आदमी' अभिव्यक्ति से क्या आशय है?

SECTION - II

खण्ड - II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What is 'Philosopher King' according to Plato ?
प्लेटो के अनुसार 'दर्शनिक राजा' क्या है?

7. What is 'General Will' ?
सामान्य इच्छा (General Will) क्या है?

8. What is 'Social Justice' ?
'सामाजिक न्याय' क्या है?

9. What is Constitutionalism ?
'संविधानवाद' (Constitutionalism) क्या है?

10. What is 'due process of law' ?
विधि की नियत प्रक्रिया क्या है?

11. What is 'non-governing elite' ?
अशासी (non-governing) अभिजात वर्ग क्या है?

12. What is the significance of the 'Preamble' of the Indian Constitution ?
भारतीय संविधान की 'प्रस्तावना' का महत्व क्या है?

13. What is a Regional Political Party ?
'क्षेत्रीय राजनैतिक दल' क्या है?

14. What is 'Office of Profit' ?
'लाभ का पद' क्या है?

15. What is an Informal Organization ?
अर्नोपचारिक संगठन क्या है ?

16. What is a 'Elect' ?
'इलेक्ट' क्या है ?

17. What is E-governance ?
ई-गवर्नेस क्या है ?

18. What is Domino Theory ?
'डॉमिनो' सिद्धांत क्या है ?

19. Give the main reasons for India's claim for permanent membership of the Security Council of the UN ?

संयुक्त राष्ट्र परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत के दावे के प्रमुख कारण बताइए।

20. What is 'SAPTA' ?

'सप्ता' (SAPTA) क्या है?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Examine the nature of crisis in political theory.
राजनीतिक सिद्धांत में 'संकट' (crisis) की प्रकृति की समीक्षा कीजिए।
22. How does Input-Output Analysis help us understand political realities of developing societies ?
आगत (इन-पुट) और निर्गत (आउट-पुट) विश्लेषण विकासशील देशों की राजनैतिक यथार्थ समझने में किस प्रकार सहायक होता है?
23. How is judicial independence ensured in the Indian Constitution ?
भारत के संविधान में न्यायपालिका की स्वतंत्रता किस प्रकार सुनिश्चित की गई है?
24. Examine the impact of liberalization on bureaucracy in India ?
भारत में उदारीकरण का नौकरशाही पर क्या प्रभाव पड़ा इसकी समीक्षा कीजिए।
25. Write a critical note on the New International Economic Order.
नयी विश्व आर्थिक व्यवस्था पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए।

Lined writing area consisting of multiple horizontal lines.

SECTION - IV

खण्ड - IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Examine the views of Mao and Gandhi on Social Change.

गाँधी और माओ के सामाजिक परिवर्तन संबंधी विचारों की समीक्षा कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the implications of regionalization of politics for Indian Polity.

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में राजनीति के क्षेत्रीयकरण के परिणामों का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Examine, in the light of recent developments, India - US relationship in the nuclear field.

भारत-अमेरिका के परमाणु के क्षेत्र के संबंधों पर, हाल ही में हुए नये परिवर्तनों की समीक्षा कीजिए।

OR / अथवा

Evaluate the major initiatives taken by the government of India to prevent administrative corruption.

प्रशासन में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा की गई पहल का मूल्यांकन कीजिए।

A series of horizontal lines spanning the width of the page, intended for writing or drawing.

Lined writing area with 34 horizontal lines.

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date